कुमार जीवन - 84

➢➢ सत्य का अनुभव

➳ _ ➳ सत्य बहुत ऊंचा और बहुत गहरा है

➳ _ ➳ बाबा के महावाक्यों को सिर्फ उसके द्वारा बोले गए शब्दों को पकड कर नहीं समझा जा सकता

→ बल्कि जिस स्थिति में उसने ज्ञान सुनाया है

- उस स्थिति में स्थित होकर अगर उस ज्ञान को सुनें
  - सिर्फ तभी बाबा के महावाक्यों का भाव समझा जा सकता है

➳ _ ➳ इसका अनुभव सिर्फ आत्मिक और अव्यक्त स्थिति में ही किया जा सकता है

→ परम सत्य का अनुभव सिर्फ मौन में किया जा सकता है

→ भगवान ने ये महावाक्य 5000 साल तक मौन में स्थित होने के बाद सुनाएं हैं

- हम भी कम से कम 5 घंटे का मौन तो धारण करें
  - तब कहीं जाकर उसके महावाक्यों को थोडा सा समझ पायेंगे

➳ _ ➳ सिर्फ किताबों और क्लासेज के द्वारा इसे नहीं जाना जा सकता

→ यह सभी तो सिर्फ एक साधन मात्र है... मौन तक ले जाने के लिए

→ सत्य कभी सुना या पड़ा नहीं जाता

- सत्य तो अनुभव किया जाता है

➳ _ ➳ निशब्द में सत्य का अनुभव होता है

→ शब्दों में नहीं